अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2025) दिनांक : 20.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भिक्षु दृष्टांत–30

प्र. 1 किन्हीं बारह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 12

(क) लपसी की घटना से आचार्य भिक्षु ने गोचरी का कौन सा नियम बनाया?

(ख) 'गृहस्थ के भरोसे नहीं रहना चाहिए' यह कथन आचार्य भिक्षु ने किस संदर्भ में कहा?

(ग) मिथ्यात्व रूपी रोग कैसे जा सकता है?

(घ) भारमल जी स्वामी बाईस टोला से अलग हुए तब कौन से आख्यान तीन बार बांचते थे?

(ड़) 'सुई टूटने पर साधु को तेले का प्रायश्चित आता है' इसके प्रत्युत्तर में आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(च) मुखवस्त्रिका की वंदना के लिए आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(छ) आचार्य भिक्षु ने स्वयं को किस महीने का ज्योतिषी बताया और क्यों?

(ज) आचार्य जयमल जी भिक्षु स्वामी को निह्नव क्यों कहते थे?

(झ) 'तुम्हारे गुरु का सिर मुंडा, उसके सम्पद्राय की।' हेमजी स्वामी ने क्या जवाब दिया?

(ञ) 'जिन प्रतिमा जिन सारखी' से क्या तात्पर्य है?

(ट) भाषा के पुद्गल कितने स्पर्शी हैं?

(ठ) शुभ योग को आश्रव और निर्जरा दोनों कैसे कहा जाता है?

(ड) नंदी सूत्र में सम्यग् दृष्टि की मति को क्या कहा है?

(ढ) जिनचंदसूरी जी ने 'ये चर्चा करने योग्य नहीं' किन साधुओं के लिए कहा और किसे कहा?

प्र. 2 कोई तीन घटना प्रसंग लिखें– 18

(क) जीवोजी श्रावक के दो घटना प्रसंग लिखें।

(ख) भीखण जी उपकार को मानते हैं।

(ग) क्या चर्चा करने का मन है? (साहूकार के दृष्टांत से लिखें)।

(घ) दान मुख्यतः कायिक प्रयोग है।

(ड़) हम ऐसा नहीं जानते।

भ्रमविध्वंसन–35

प्र. 3 कोई नौ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 9

(क) साहित्य सृजन करते हुए भी जयाचार्य कितने कल्पी विहार करते थे?

(ख) भ्रमविध्वंसन का रचना काल कौन सा है?

(ग) सूत्रकृतांग में माहन किसे कहा गया है?

(घ) शकडाल श्रावक ने अपने पूर्ववर्ती धर्मगुरु गौशालक को क्या कहा?

(ड़) निशीथ सूत्र के अनुसार चातुर्मासिक प्रायश्चित आने का एक कारण लिखें।

(च) साधु जब तेजोलब्धि का प्रयोग करते हैं उस समय उनमें कौन सा गुणस्थान पाता है?

(छ) थावच्चा पुत्र अणगार ने अगार विनय का क्या अर्थ किया?

(ज) 'स्थं पुण्ण-पयं सोच्चा' से क्या तात्पर्य है?

(झ) देवता और नारकी में जीव के कितने भेद पाते हैं?

(ञ) वीतरागी के कौन सी क्रिया लगती है और उसे कौन सी हिंसा माना गया है?

(ट) प्रकीर्ण ग्रन्थ का निर्माण कौन करता है?

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) आनन्द श्रावक ने लौकिक दान का त्याग करते हुए कौन से छह आगार रखे?

(ख) सामायिक में बैठे श्रावक की सेवा क्यों नहीं करनी चाहिए?

(ग) दसवैकालिक सूत्र के अनुसार तप क्यों करना चाहिए तथा क्यों नहीं करना चाहिए?

(घ) साधु के अकेले विचरण के आठ गुण लिखें।

प्र. 5 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) नंदन मनिहार का प्रसंग देते हुए सिद्ध करें कि लौकिक दान से पुण्य नहीं होता।

(ख) आश्रव और संवर जीव है या अजीव? स्पष्ट करें।

प्र. 6 मिथ्यात्वी की सम्यक् क्रिया पर प्रकाश डालें। 15

अथवा

लौकिक व लोकोत्तर अनुकम्पा के तीन-तीन उदाहरण देते हुए सिद्ध करें कि हमारा मूल उद्देश्य आत्मोत्थान है।

भिक्षु गीता–20

प्र. 7 कोई तीन प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 3

(क) ग्रहण शिक्षा तथा आसेवन शिक्षा का संबंध किसके साथ है?

(ख) धर्म के कितने द्वार हैं? उनके नाम लिखें।

(ग) मनोबल बढ़ाने के लिए कौन से आहार का वर्जन करना चाहिए?

(घ) सेवा की अनिवार्यता का क्या कारण है?

(ड़) विकास का सर्वोच्च स्थान किसे कहा गया है?

प्र. 8 मनुष्य का स्वभाव कैसा होता है? शिष्यों के भाव तथा व्यवहार को समझ कर आचार्य को कौन सा मार्ग लेना चाहिए? 5

अथवा

संघ में विनीत का क्या महत्त्व है?

प्र. 9 कोई दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 12

(क) कश्चिदर्थकरो भव्यः कश्चिन् मानकरो भवेत्।
कश्चिद् द्वयप्रवृतः स्यात् कश्चिद् द्वयपराङ्मुख।।

(ख) इन्द्रियावशता हीना वशीकारः प्रवर्धते।
स संघः स्वगतैः प्राणैः वर्धते संप्रवर्धते।।

(ग) दोषं दृष्ट्वा न तत्कालं गुरवे विनिवेदयेत्।
व्यतीते बहुले काले निवेदयति स दोषभाक्।।

(घ) साधुत्वे संघ सीमायां विध्नो यावद् भवेन्नहि।
तावत् सहिष्णुताऽऽदेया नादेयास्ति ततः परम्।।

भिक्षु वाणी–15

प्र. 10 कोई पांच पद्य लिखें– 15

(क) गुर भगता.....तिण ठांम।।

(ख) तिम कुगुर.....अंध अदेख।।

(ग) जेहने जेहवा.....थी खाय।।

(घ) हलूकरमी.....टले असमाध।।

(ड़) दुःषमाकाल।

(च) संसार।

(छ) साध्वाभास।

(ज) हिंसा-अहिंसा।